ईज़ 4.0

drishtiias.com/hindi/printpdf/ease-4-0

प्रिलिम्स के लिये

ईज़ 4.0 बैंकिंग सुधार प्रदर्शन, बैड बैंक, फिनटेक

मेन्स के लिये

सरकार द्वारा बैंकिंग क्षेत्र में सुधारों से जुड़े प्रयास में ईज़ रिफॉर्म एजेंडा की भूमिका

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय वित्त मंत्री ने **सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (PSB) के वार्षिक प्रदर्शन की समीक्षा** की और **EASE 4.0** या **एन्हांस्ड एक्सेस एंड सर्विस एक्सीलेंस रिफॉर्म एजेंडा (Enhanced Access and Service Excellence Reform Agenda-EASE)** लॉन्च किया।

> EASE 4.0 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिये एक सामान्य सुधार एजेंडा है जिसका उद्देश्य **स्वच्छ और स्मार्ट बैंकिंग** को संस्थागत बनाना है।

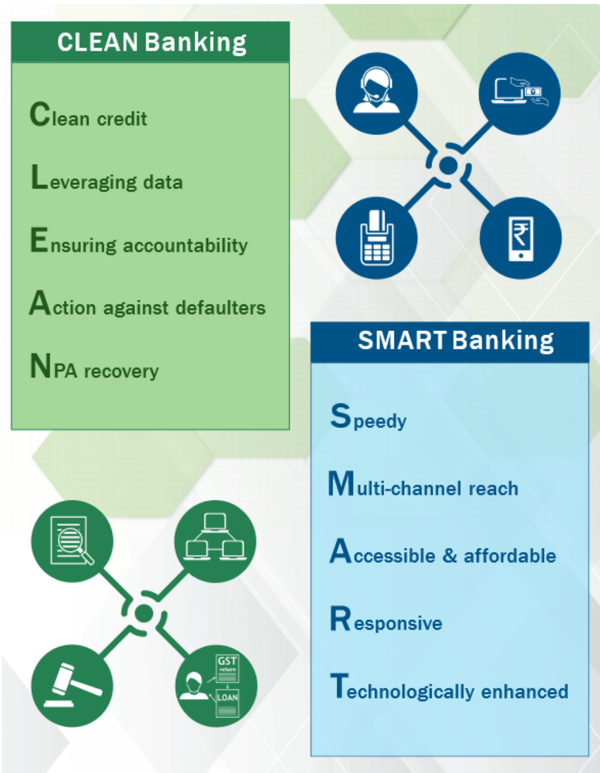

प्रमुख बिंदु

ईज़ 4.0 के बारे में :

- EASE 4.0 **ग्राहक-केंद्रित डिजिटल परिवर्तन के एजेंडे** को आगे बढ़ाने के लिए PSB को **तकनीक-सक्षम, सरलीकृत और सहयोगी बैंकिंग** के लिये प्रतिबद्ध करता है।
- इसके अंतर्गत निम्नलिखित प्रमुख विषय प्रस्तावित किये गए:
    - **24x7 बैंकिंग :** EASE 4.0 के तहत बैंकिंग सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु लचीली तकनीक के साथ नए युग के 24x7 बैंकिंग की थीम पेश की गई है।
    - **उत्तर-पूर्वी राज्यों पर फोकस :** बैंकों को भी उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिये विशेष स्कीम तैयार करने के लिये अनुरोध किया गया है।
    - **बैड बैंक :** प्रस्तावित **बैड बैंक** लाइसेंस प्राप्त करने के बहुत करीब है।
      एक बैड बैंक वह है जिसे किसी अन्य वित्तीय संस्थान के बैड ऋणों और अन्य अनकदी (illiquid) होल्डिंग्स को खरीदने के लिये स्थापित किया जाता है।
    - **बैंकिंग क्षेत्र के बाह्य क्षेत्रों से धन का सृजन:** बदलते समय के साथ अब उद्योगों के पास बैंकिंग क्षेत्र के बाह्य क्षेत्रों से भी धन के सृजन का विकल्प है।
        - बैंक स्वयं विभिन्न माध्यमों से धन जुटा रहे हैं।
        - जहाँ ज़रूरत हो वहाँ क्रेडिट को लक्षित करने के लिये इन नए पहलुओं का अध्ययन करने की आवश्यकता है।
    - **फिनटेक क्षेत्र का लाभ उठाना : फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी),** एक ऐसा क्षेत्र जो बैंकों को तकनीकी सहायता प्रदान कर सकता है और साथ ही बैंकिंग क्षेत्र की सहायता से लाभ उठा सकता है।
    - **निर्यात प्रोत्साहन : 'एक जिला, एक निर्यात' एजेंडा** को आगे बढ़ाने के लिये बैंकों से राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया जाएगा।

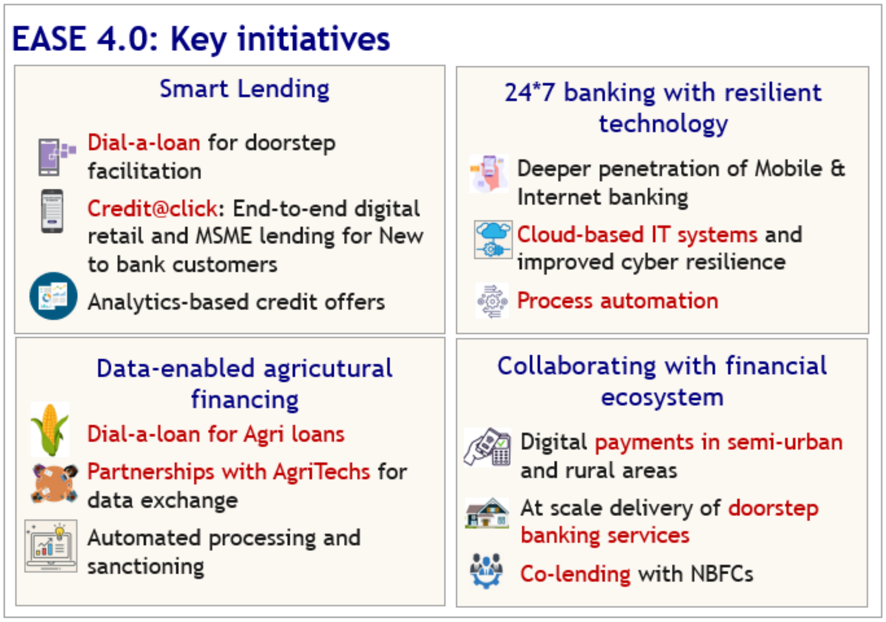

EASE एजेंडा के संदर्भ में:

- इसे सरकार और PSB द्वारा संयुक्त रूप से जनवरी 2018 में लॉन्च किया गया था।
- इसे **इंडियन बैंक्स एसोसिएशन** के माध्यम से कमीशन किया गया था और **बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप** द्वारा निर्मित किया गया था।
- **EASE सुधार एजेंडा के तहत विभिन्न चरण:**
  - **EASE 1.0:** EASE 1.0 रिपोर्ट ने पारदर्शी रूप से **गैर-निष्पादित आस्तियों** (NPA) के समाधान में PSB के प्रदर्शन में महत्त्वपूर्ण सुधार दिखाया।
  - **EASE 2.0:** EASE 2.0 को EASE 1.0 की नींव पर बनाया गया था और सुधार यात्रा को अपरिवर्तनीय बनाने, प्रक्रियाओं और प्रणालियों को मज़बूत करने तथा परिणामों को लागू करने के लिये छह विषयों में नए सुधार कार्य बिंदु प्रस्तुत किये गए। EASE 2.0 के छह विषय हैं:
    - ज़िम्मेदार बैंकिंग;
    - ग्राहक प्रतिक्रिया;
    - क्रेडिट ऑफ-टेक,
    - उद्यमी मित्र के रूप में पीएसबी (MSMEs के क्रेडिट प्रबंधन के लिये सिडबी पोर्टल);
    - वित्तीय समावेशन और डिजिटलीकरण;
    - शासन और मानव संसाधन (HR)।
  - **Ease 3.0:** यह तकनीक का उपयोग करते हुए सभी ग्राहक अनुभवों में बैंकिंग को आसान बनाने का प्रयास करता है।
    - Dial-a-Loan और PSBloansin59minutes.com
    - फिनटेक और ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ साझेदारी,
    - ,
    - टेक-सक्षम कृषि ऋण,
    - EASE बैंकिंग आउटलेट आदि।

- **EASE रिफॉर्म्स एजेंडा के तहत प्रदर्शन:**
    - **EASE रिफॉर्म्स इंडेक्स:** इंडेक्स 120+ ऑब्जेक्टिव मेट्रिक्स पर प्रत्येक PSB के प्रदर्शन को मापता है। इसका लक्ष्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच बेहतर प्रतिस्पर्द्धा को प्रोत्साहित करके परिवर्तन को जारी रखना है।
    - PSB ने अच्छा प्रदर्शन किया है और महामारी के दौरान विस्तारित सेवा के बावजूद **त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई** (PCA) से बाहर आ गए हैं।
        - PCA एक ढाँचा है जिसके तहत कमज़ोर वित्तीय मैट्रिक्स वाले बैंकों को आरबीआई द्वारा निगरानी में रखा जाता है।
    - फरवरी 2020 में EASE 3.0 रिफॉर्म्स एजेंडा के लॉन्च होने के बाद से PSB ने चार तिमाहियों में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है।

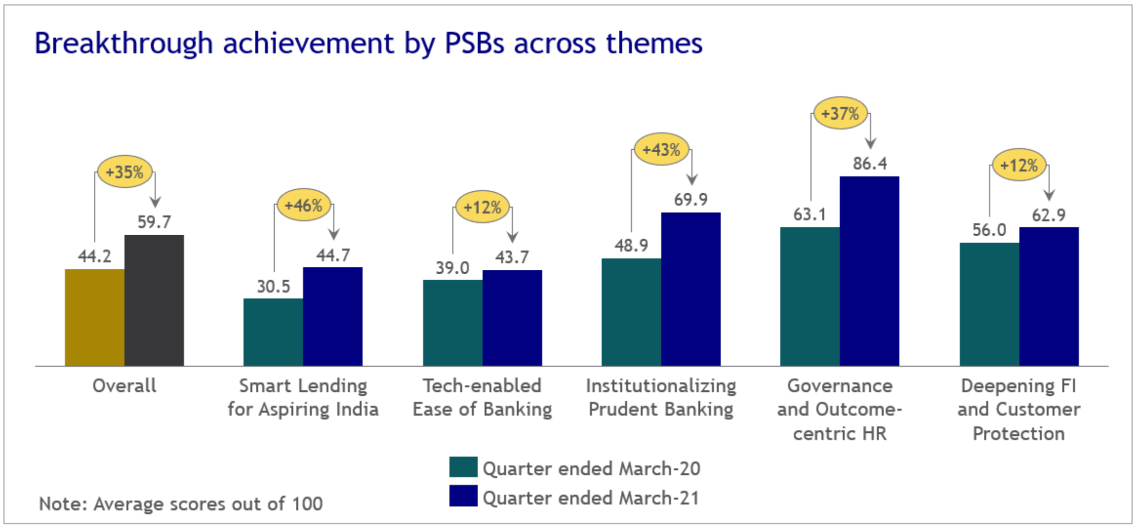

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस